सयंम से जियो

हँसना और खुशी मनाना

प्रकृति का एक तोहफा है

सबके संग खुशी मना लो

यही दुनिया का गहना है

जो वक्त मिला है जीने को

उसमें संभल कर जीना है

जिन बातों का सार नही

उनको छोड़कर चलना है

बिना वजह जिन शब्दों को

उपयोग में हम ले लेते है

वो शब्द ही आगे चलकर

मन को आहत कर देते हैं

वक्त का चक्र जब चलता है

तड़फता छोड़ कर जाता है

सच कहता हूँ मन ही मन मे

सबको पछताना पड़ता है

इस जीवन के हर मोड़ पर

राहें भी सुगम मिल जाती है

आकर आंधियां जीवन भर

सपने बिखेर कर रखती है

भगवान की निर्मल नगरी मे,

खुश रहने पर कोई रोक नही

जिसने दिल से हँसना सीखा

उस व्यक्ति जैसा कोई नही

सयंम से जीवन जीने वांला

सम्मान सभी का करता है

गोपाल कृष्ण व्यास